†REMOVAL OF THE OFFICE OF ASSISTANT COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE FROM RATNAGIRI

*581. SHRI B. V. (MAMA) WARERKAR: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether the Office of Assistant Collector of Central Excise, has been removed from Ratnagiri and has been amalgamated with the Assistant Collectorate at Nasik;

(b) whether Government are aware that the removal of this office from Ratnagiri has caused considerable inconvenience and embarrassment especially to the shipping trade and;

(c) what is the reason for the removal of this office?

THE DEPUTY MINISTER OF FINANCE (SHRI B. R. BHAGAT): (a) The office of the Assistant Collector, Ratnagiri Division has since been abolished and the area under its jurisdiction with the exception of Ratnagiri Circle, has since been transferred to the newly created Bombay III Division. Ratnagiri Circle has been placed under the jurisdiction of Goa Frontier Division.

(b) No. We have not so far received any complaints either from the trading public or the shipping trade.

(c) The change followed the re-organisation of the entire Collectorate necessitated by the S.R.C. Act.

हिन्दी के द्वारा विज्ञान को लोकप्रिय बनाना

१३७७. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विज्ञान को हिन्दी द्वारा लोकप्रिय बनाने के सरकार ने अब तक क्या उपाय किये है या करने का इरादा रखती है ; और

(ख) क्या सरकार इस सम्बन्ध में कोई मासिक पत्र निकाल रही है ; यदि निकाल रही है तो उसकी योजना क्या है ?

†[POPULARISATION OF SCIENCE THROUGH THE MEDIUM OF HINDI

1377. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of EDUCATION AND SCIENTIFIC RESEARCH be pleased to state:

(a) the steps so far taken or proposed to be taken by Government to popularise science through the medium of Hindi; and

(b) whether Government propose to bring out a monthly magazine in that connection and if so, what is the scheme thereof?]

शिक्षा तथा वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री (मौलाना अबुल कलाम आजाद) : (क) और (ख). विज्ञान को हिन्दी द्वारा लोकप्रिय बनाने का प्रश्न, इस देश में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के समूचे प्रश्न के अन्तर्गत रखा गया है । इस सम्बन्ध में कार्यक्रम को व्यवस्थापिक रूप देने के लिये, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् ने एक स्थायी समिति बना ली है ।

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा "विज्ञान प्रगति" नामक मासिक पत्रिका निकाली जाती है जिसमें गवेषणा परिणामों से सम्बन्धित सूचना रहती है । इस पत्रिका को उन्नत करने की सम्भावना पर विचार किया जा रहा है जिससे यह विज्ञान को लोकप्रिय बनाने का साधन बन सके ।

साथ ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा भी हिन्दी की तीन पत्रिकायें

†Postponed from the 10th September. 1957

†[ ]English translation.